



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 91]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 6, 2011/वैशाख 16, 1933

No. 91]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 6, 2011/VAISAKHA 16, 1933

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 मई, 2011

निधन-सूचना

सं. 3/1/2011-प्रकाशक.—अरुणाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री, श्री दोस्ती खांडू का अप्रैल 30, 2011 को अरुणाचल प्रदेश में एक हेलिकॉप्टर-दुर्घटना में निधन हो गया।

2. आपका जन्म मार्च 3, 1955 को हुआ। आप भारतीय सेना आसूचना कर में सेवारात रहे और आपके बहाँ 7 वर्ष से अधिक समय तक कार्य किया। बांग्ला-देश युद्ध के दौरान आपके द्वारा की गई साहनीकालासूचना-सेवाओं के फलस्वरूप आपको एक स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया। बाद में आप तवांग चिले के गांव के लोगों के कल्याण से जुड़ी सामाजिक सेवाओं में जुट गए और आपने सन् 1980 तक उनके कल्याण से संबंधित कार्य-कलापों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। सन् 1980 में आप पहले अंचल-समिति-सदस्य के रूप में निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए और सन् 1983 तक आपने इस समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। सन् 1982 में आप तवांग की संस्कृति और सहकारी समितियों के अध्यक्ष बन गए।

3. आप सन् 1983 में पश्चिम कर्मग चिले की जिला परिषद् के चिला-उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। आप सन् 1987 से 1990 तक की अवधि के दौरान गहन सामाजिक सेवा से संबंधित कार्य-कलापों में भी लगे रहे और दूर-दराज के गांवों में जल, बिजली की आपूर्ति करवाने, संचार के साधन जुटाने, विद्यालय और धार्मिक संस्थाएं स्थापित करवाने इत्यादि में भी सहायक रहे।

4. मार्च 1990 में, आप शिंग्नु-मुक्तो शेत्र से अरुणाचल प्रदेश-राज्य की पहली विधान-सभा में निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए। मार्च 1995 में आप उपर्युक्त शेत्र से उपर्युक्त राज्य की दूसरी विधान-सभा में पुनः निर्वाचित हुए। आप मार्च 21, 1995 को सहकारिता राज्य मंत्री भी बने और सितम्बर 21, 1996 को अप्प पश्चालन और पशु-चिकित्सा, डेयरी विकास के केन्द्रिय मंत्री बने। अक्टूबर 1999 में आप उपर्युक्त राज्य की तीसरी विधान-सभा में निर्वाचित हुए। आप अक्टूबर 2002 से जुलाई 2003 तक खान, राहत और पुनर्वास-मंत्री रहे और उपर्युक्त अवधि के दौरान राहत, पुनर्वास और आपदा-प्रबंधन मंत्री रहे। सन् 2004 में आप मुक्तो-शेत्र से निर्विरोध रूप से पुनः निर्वाचित हुए और विद्युत, एन सी ई आर तथा राहत और पुनर्वास-मंत्री बने।

5. अप्रैल 9, 2007 को आप अरुणाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री बने और आप उपर्युक्त शेत्र से ही पुनः निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए तथा आपने अक्टूबर, 25, 2009 को उपर्युक्त राज्य के मुख्य मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

6. आपने नई पहलकंदी में संबंधित कई कदम उठाकर, अरुणाचल प्रदेश-राज्य की योजनाओं और केन्द्रीय सरकार की योजनाओं के बीच सहयोग और सहक्रिया कार्यम करने में सहायता की। आपने प्रधान मंत्री जी के पैकेज को तप्परता से कार्यान्वयन करने, द्रांस अरुणाचल राजभार्ग का निर्माण करवाने और अन्य अनेक परियोजनाएं पूर्ण करवाने की दृष्टि से अत्यन्त सक्रियतापूर्ण कदम उठाए। आपने 'पीपल फस्ट' का घोय रखकर, नागरिकों पर संकेन्द्रित प्रशासन का जोरदार समर्थन करते हुए, उसे कार्यान्वयन किया और आपने विकास से संबंधित कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से 'थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग सिस्टम' आरप्त किया। यह तथ्य आपके दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व के प्रति सुस्पष्ट और भाव-भीनी श्रद्धांजलि है कि दूरदर्शिता से युक्त आपके अत्यधिक प्रभावी और सघन प्रयासों के फलस्वरूप अरुणाचल प्रदेश-राज्य में जल-विद्युत, पर्यटन, खनिज-विकास, कृषि, खाद्य-प्रसंस्करण और कृषि-आधारित उद्योगों से उपर्युक्त राज्य की आबादी के अधिकांश हिस्से को आय के अर्जन और रोजगार के साधन सुलभ हैं।

7. आप अपने पीछे चार पलियां, पाँच पुत्र और दो पुत्रियां छोड़ गए हैं।

8. आपके निधन से राष्ट्र ने एक सुविख्यात और अत्यन्त प्रतिष्ठित नेता तथा देश के प्रति अगाधे प्रेम और अपने लोगों के प्रति अद्भुत तथा असीम स्नेह से सराबोर एवं अद्यम नैतिक बल और साहस से सम्पन्न व्यक्ति खो दिया है।

गोपाल कृष्ण पिल्लै, गृह-सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 6th May, 2011

OBITUARY

No. 3/1/2011-Public.—Shri Dorjee Khandu, Chief Minister of Arunachal Pradesh, died in a helicopter crash in Arunachal Pradesh on April 30, 2011.

2. Born on March 3, 1955, Shri Dorjee Khandu was in the Indian Army Intelligence Corps and worked there for more than seven years. He also received a gold medal for the meritorious intelligence services rendered during Bangladesh War. Later he was engaged in social activities for village people of Tawang District and looked after their welfare until 1980. In 1980, he was elected uncontested as the First Anchal Samiti Member (ASM) and worked in same capacity till 1983. He became the Chairman of Culture and Cooperative Societies, Tawang in 1982.

3. Shri Khandu was elected uncontested as District Vice President, West Kameng District Zilla Parishad in 1983. He was also engaged in intensive social works during 1987-1990 and was instrumental in bringing water supply, electricity, communication, schools, religious institutions, etc. to far flung villages.

4. In March 1990, he was elected uncontested to the First Legislative Assembly of the State of Arunachal Pradesh from Thingbu-Mukto constituency. In March 1995, Shri Khandu was re-elected to Second Legislative Assembly of the State from the same constituency. He also became the Minister of State for Cooperation on March 21, 1995 and Cabinet Minister for Animal Husbandry & Veterinary, Dairy Development on September 21, 1996. In October 1999, he was elected to Third Legislative Assembly of the State. He became Minister for Mines, Relief & Rehabilitation from October 2002 to July 2003 and in the same year became Minister for Relief & Rehabilitation and Disaster Management. In 2004, Shri Khandu was re-elected unopposed from Mukto constituency and became the Minister for Power, NCER and Relief and Rehabilitation.

5. On April 9, 2007, Shri Khandu became the Chief Minister of Arunachal Pradesh and was again elected unopposed from the same constituency and sworn in as the Chief Minister on 25th October, 2009.

6. Through several new initiatives, he helped establish synergy between the schemes of the State and the Central Government. He took pro-active steps for expeditious implementation of the Prime Minister's Package and construction of trans-Arunachal highways and timely completion of a large number of other projects. As a strong votary of citizen-centric administration and with the motto of 'PEOPLE FIRST', he introduced 'Third Party Monitoring System' for ensuring transparency in developmental works. The fact that several sectors such as hydropower, tourism, mineral development, agriculture, food processing and agro-based Industries in the State, generate income and employment for a large segment of population, is a glowing tribute to his visionary leadership.

7. Shri Dorjee Khandu, Chief Minister of Arunachal Pradesh is survived by his four wives, five sons and two daughters.

8. In the death of Shri Khandu, the Nation has lost an eminent leader and a person of great moral calibre, known alike for his deep love for the country and abiding affection for his people.

GOPAL K. PILLAI, Home Secy.